Roll No. ....

D–3385

M. A. (Previous) EXAMINATION, 2020

HINDI

Paper Fourth

(आधुनिक गद्य साहित्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के आंतरिक विकल्प हैं तथा प्रश्नों के समक्ष अंक अंकित हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

प्रत्येक 10

(क) समझदारी आने तक यौवन चला जाता है, जब तक माला गूँथी जाती है तब तक फूल कुम्हला जाते हैं। जिससे मिलने के संभार की इतनी धूम-धाम, सजावट, बनावट होती है उसके आने तक मनुष्य हृदय को सुन्दर और उपयुक्त नहीं बनाये रह सकता। मनुष्य की चंचल स्थिति तब तक श्यामल कोमल हृदय को मरुभूमि बना देती है। यही तो विषमता है।

(ख) वह जैसे नारीत्व के सम्पूर्ण तप और व्रत से अपने पति को अभयदान दे रही थी। उसके अन्तःकरण से जैसे आशीर्वादों का व्यूह सा निकलकर होरी को अपने अन्दर छिपाए लेता था। विपन्नता के इस अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था जिसे पकड़े हुए वह सागर पार कर रही थी। इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी, मानो झटका देकर उसके हाथ से

वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहा, बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी वेदना शक्ति आ गई थी।

(ग) सारे संसार की अपेक्षा भारतवर्ष के साहित्य की एक निश्चित विशेषता है और उस विशेषता का कारण एक भारतीय विश्वास है। यह है पुनर्जन्म और कर्म का सिद्धान्त। प्रत्येक पुरुष को अपने किए का फल भोगना पड़ेगा। प्रलय भी हो जाये तो भी वह अपनी करनी के फल से मुक्त नहीं हो सकता। महाभारत में कहा गया है कि पूर्व सृष्टि में प्रत्येक प्राणी ने जो कुछ कर्म किया हो, वह कर्म पुनः पुनः सृज्यमान होता हुआ उसे परवर्ती काल में मिलेगा ही। समस्त भारतीय साहित्य में पुनः पुनः कर्मबन्ध से मुक्त होने का उपाय बताया गया है।

(घ) किन्तु इस कुरूप, बदशकल मूरतों में भी एक चीज है, शायद उस ओर हमारा ध्यान नहीं गया। वह है जिन्दगी। ये माटी की बनी है, माटी पर धरी है, इसलिए जिन्दगी के नजदीक है, जिन्दगी से सराबोर है। ये देखती है, सुनती है, खुश होती है, शाप देती है, आशीर्वाद देती है। ये मूरतें न तो किसी आसमानी देवता की होती है, न अवतारी देवता की। गाँव के ही किसी साधारण व्यक्ति के पुतले ने किसी असाधारण अलौकिक कर्म के कारण एक दिन देवतत्व प्राप्त कर लिया। देवता में गिना जाने लगा और गाँव के व्यक्ति के सुख-दुःख का दृष्टा-सृष्टा बना।

(ङ) आर्द्रा नक्षत्र आकाश में काले-काले बादलों की घुमड़, जिसमें देव-दुन्दभी का गंभीर घोष। प्राची के एक निरभ्र कोने से स्वर्ण-पुरुष झाँकने लगा था—देखने लगा महाराज की सवारी। शैलमाला के अंचल में समतल उर्वरा भूमि में सोंधी घास उठ रही थी। नगर तोरण से जय-घोष हुआ, भीड़ से गजराज की चामर धारी झुण्ड उन्नत दिखाई पड़ा। वह हर्ष और उत्साह का समुद्र हिलोरें भरता हुआ आगे बढ़ने लगा।

(च) उन्हें लगा कि वह लावण्यमयी युवती जीवन की राह में कहीं खो गयी और उसकी जगह आज जो स्त्री है, वह उसके मन और प्राणों के लिए नितान्त अपरिचित है। गाढ़ी नींद में डूबी उनकी पत्नी का भारी सा शरीर बहुत बेडौल और कुरूप लग रहा था, चेहरा श्री हीन और रूखा था। गजाधर बाबू देर तक निस्संग दृष्टि से पत्नी की ओर देखते रहे और लेटकर छत की ओर ताकने लगे।

2. "'गोदान' भारतीय किसान के जीवन संघर्ष की कथा है।" इस कथन को सिद्ध कीजिए। 15

अथवा

"'चन्द्रगुप्त' नाटक भारतीय संस्कृति का राष्ट्रीय उद्‌घोष है।" इस कथन को सिद्ध कीजिए।

अथवा

'बाणभट्ट' की आत्मकथा, के आधार पर बाणभट्ट का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. 'माटी की मूरतें' निबन्ध का सारांश लिखिए। 15

अथवा

'उसने कहा था' कहानी को हिन्दी की सर्वश्रेष्ठ कहानी क्यों माना जाता है ? लिखिए।

अथवा

'चन्द्रमा मनसो जातः' निबन्ध के कथ्य को समझाइए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20

(i) भारतेन्दु की भाषाशैली।

(ii) डॉ. रामकुमार वर्मा का साहित्यिक परिचय।

(iii) भीष्म साहनी की उपन्यास कला।

(iv) राहुल सांकृत्यायन की साहित्यिक विशेषताएँ।

(v) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का संक्षिप्त जीवन परिचय।

(vi) आंचलिक कथाकारों में फणीश्वरनाथ रेणु का स्थान।

(vii) रांगेय राघव की कहानियों में प्रगतिशील दृष्टिकोण।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20

(i) 'चन्द्रगुप्त' नाटक किसने लिखा है ?

(ii) 'उसने कहा था' के नायक कौन हैं ?

(iii) 'अंधेर नगरी' प्रहसन के लेखक कौन हैं ?

(iv) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के लेखक कौन हैं ?

(v) 'आवारा मसीहा' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(vi) आपके पाठ्यक्रम में उषा प्रियवंदा की कौन-सी कहानी सम्मिलित है ?

(vii) 'हालावाद' के प्रवर्तक कौन हैं ?

(viii) 'तमस' उपन्यास के लेखक का नाम लिखिए।

(ix) 'पुरस्कार' कहानी की नायिका कौन है ?

(x) होरी किस उपन्यास का नायक है ?

(xi) 'कबीरा खड़ा बाजार में' के लेखक का नाम लिखिए।

(xii) 'दीपदान' एकांकी किसकी रचना है ?

(xiii) 'माटी की मूरतें' निबन्ध किसने लिखा है ?

(xiv) 'घुमक्कड़शास्त्र' किसकी रचना है ?

(xv) 'चिन्तामणि' किसने लिखा है ?

(xvi) 'छोटे-छोटे ताजमहल' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(xvii) उपन्यास के कितने तत्व होते हैं ?

(xviii) 'कोणार्क' किसकी रचना है ?

(xix) 'मानस का हंस' उपन्यास किसने लिखा है ?

(xx) 'हरी-हरी दूब और लाचार क्रोध' निबन्ध किसने लिखा है ?

(xxi) 'मैला आँचल' उपन्यास किसने लिखा है ?

(xxii) 'ताँबे के कीड़े' किसने लिखा है ?